ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:08.12.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-12-08 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	09/12/2023	10/12/2023	11/12/2023	12/12/2023	13/12/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	25.0	25.0	25.0	24.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	7.0	7.0	7.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमीप्रतिघंटा)	8	9	6	6	7
पवन दिशा (डिग्री)	230	230	230	230	230
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	1	1	0

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (01 से 07 दिसंबर) में 1.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान 25.5 से 28.1 डिग्री सेल्सियस और 9.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिनों में मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 70 से 93% के बीच रही और शाम को 1412 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 33 से 49% के बीच रही। हवा की गति 0.5 से 5.9 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर-पूर्व और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आने वाले 5 दिनों के पूर्वानुमान में बारिश नहीं होने का पूर्वानुमान दिया गया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24.0-26.0 डिग्री सेल्सियस और 6.0-8.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 6-9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाएं ज्यादातर दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेंगी। इस क्षेत्र में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

जिलेवार साप्ताहिक औसत वर्षा इस क्षेत्र में 1 मिमी वर्षा दर्शाती है , जो सामान्य की तुलना में अधिक है। हालांकि, पूर्वानुमान रुझान 08-14 दिसंबर के लिए बड़े कम बारिश के पैटर्न को दर्शाता है तथा अधिकतम सामान्य और न्यूनतम सामान्य से कम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम से अच्छी कृषि शक्ति को दर्शाता है। मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोग कर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोग कर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है, इसलिए खेती गतिविधियों का तदनुसार पालन किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	अंकुरण/ वानस्पतिक/ फूल आना	देर से बुवाई का कार्य महीने के पहले पखवाड़े तक पूरा किया जाना चाहिए और फसल की नियमित रूप से निराई और गुड़ाई के लिए निगरानी की जानी चाहिए।
राइ एवं तोरिया (लाही) / पीली सरसों	अंकुरण/ वानस्पतिक/ फूल आना	आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और कीट/बीमारी के हमले के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
गेहू	अंकुरण /वानस्पतिक	समय पर बोई गई फसल में पहली सिंचाई 20-25 दिनों के बाद करनी चाहिए। सिंचाई के 3-4 दिन बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। खेत की निराई-गुड़ाई 25-30 दिन और 45-50 दिन के अंतराल पर की जानी चाहिए।
जौ	अंकुरण /वानस्पतिक	समय पर बोई गई फसल की सिंचाई 20-25 दिन के अंतराल पर करनी चाहिए, इसके बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
चाराफसल	अंकुरण /वानस्पतिक	चाराफसलों की निगरानी की जानी चाहिए और शुष्क परिस्थितियों में सिंचाई की जानी चाहिए। सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
सब्जीमटर	अंकुरण/फूल आना	देर से बुवाई का कार्य महीने के पहले पखवाड़े तक पूरा किया जाना चाहिए और फसल की नियमित रूप से निराई और गुड़ाई के लिए निगरानी की जानी चाहिए।
फूलगोभी	वानस्पतिक	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 75 डब्लूपी का 2-3 बार प्रयोग करना चाहिए। रोग को नियंत्रित करने के लिए गर्म पानी से बीजोपचार करना चाहिए।
टमाटर	वानस्पतिक/ फूलआना	टमाटर की ऊपरी पत्तियों के सिकुड़ने या चित्तकबरा होने पर संक्रमित पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस/ गाय	जाड़े के दिनों में पशुओं को अतरिक्त ऊर्जा प्रदान करने वाले खाद्य पदार्थों की 25 % मात्रा बढ़ाकर देनी चाहिए। बंधे हुए पशुओ को व्यायाम कराये तथा सूर्य की रौशनी आने पर उन्हें पशुशाला के बहार निकलकर धुप में बांधे।
भेड़/बकरी	जानवरों को पाला सूख जाने पर ही घास चराने के लिए ले जाना चाहिए वरना पाले युक्त खाद्य पदार्थों से उन्हें इंटेरोटॉक्सिमिया होने का खतरा रहता है। जानवरों को बाड़े में समय पर ले आना चाहिए ताकि ठण्ड से बचाव हो सके।